**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग**
**डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय**
**पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५**

**बुलेटिन संख्या-५३**
**दिनांक- शुक्रवार,५ जुलाई,२०१६**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.३ एवं २६.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८३ सुबह में एवं दोपहर में ६३ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.२ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३१.३ एवं दोपहर में ३५.२ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ०.६ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

## (६-१० जुलाई,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ६-१० जुलाई,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उतर बिहार में पूर्वानुमान की अवधी में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है। जिसके प्रभाव से मैदानी एवं तराई जिलों के आसमान में मध्यम बादल छाए रह सकते हैं। अगले ३-४ दिनों के दौरान अधिकांश स्थानों में गरज वाले बादल बनने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। कहीं-कहीं भारी वर्षा भी हो सकती है।
- अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई हेतु,किसान भाई वर्षा जल का संग्रह खेत में करने के लिए मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें। तैयार मक्का फसल की कटनी, दौनी तथा दानो को सुखाने के कार्य में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।
- जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य १० जुलाई तक सम्पन्न अवश्य कर लें। धान की अगात किस्में जैसे-प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। १० से १२ दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर-पतवार निकालें।
- अगात एवं मध्यम धान की किस्में, जिनकी किसान भाई सीधी बुवाई करना चाहतें हैं उसके लिए मौसम उपयुक्त है। बारिश का समय चल रहा है अतः किसान खेत को सूखने तक की प्रतिक्षा ना करें, बल्कि पानी लगे हुए खेत में ही धान को छिटकॉवा विधी से सीधी बुवाई करें। यदि खेत सूखा है तो सीडड्रील मशीन से या छिटकॉवा विधी से बुवाई कर सकतें हैं। सूखे खेत में सीधी बुवाई करने पर बुवाई के ४८ घंटें के अन्दर खरपतवारनाशी दवा पेन्डिमेथीलीन १.० लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि बुवाई के बाद बारिश शुरू हो जाती है तो पेन्डिमेथीलीन दवा का छिड़काव न कर वैसी हालत में बुवाई के १०-१५ दिनो के बीच में नामिनी गोल्ड (बिसपेरिबेक सोडियम १०% एस० सी०) दवा का १०० मि० ली० प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करना नही भूले। धान की रोपाई के समय २५-३० किलोग्राम नेत्रजन, ५० किलोग्राम स्फुर एवं २०-२५ किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट का व्यवहार करें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलो की दर से बीजोपचार कर बुआई करें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े १५ से २० दिनो के हो गये हो, में खर-पतवार निकालें। पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए ४० % छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। कीट-व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें।
- उचॉस जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट-व्याधियों की निगरानी करते रहें।
- पहले से तैयाार गढ़ों में फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का कार्य करें। पौधों को दीमक तथा सफेद लट कीट से वचाव हेतु ५ मी०ली० क्लोरपाइरीफॉस दवा १ ली० पानी में मिलाकर पौधा लगाने के बाद गढ़े में दे।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे। दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ-साथ सूखा चारा (५०:५०) के अनुपात में खिलायें तथा २०-३० ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः ३६.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री सेल्सियस अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः २७.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.२ डिग्री सेल्सियस अधिक |

**नोडल पदाधिकारी**